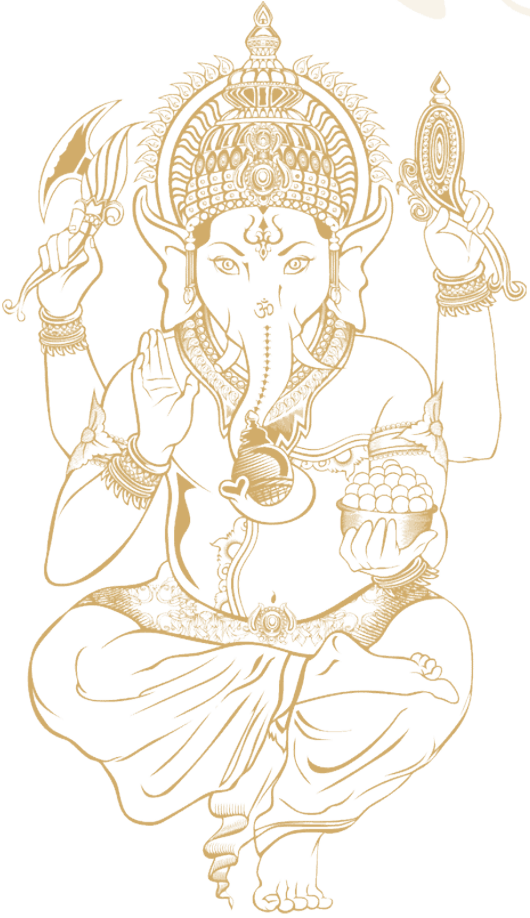

Mr. Chhavi Rai

29 Jul 2011

01:03 AM

Raipur

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119976304

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28-29/07/2011	जन्म तिथि	**28/07/2025**
गुरु-शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 01:03:00	जन्म समय	15:06:38 घंटे
घटी 48:40:02	जन्म समय(घटी)	23:48:31 घटी
India	देश	India
Raipur	स्थान	Raipur
उत्तर 21:16:00	अक्षांश	21:16:00 उत्तर
पूर्व 81:42:00	रेखांश	81:42:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:03:12	स्थानिक संस्कार	-00:03:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:59	सूर्योदय	05:35:13
18:43:35	सूर्यास्त	18:43:45
24:01:26	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:55
वृष	लग्न	वृश्चिक
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मिथुन	राशि	सिंह
बुध	राशि-स्वामी	सूर्य
आर्द्रा	नक्षत्र	पू०फाल्गुनी
राहु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
3	चरण	4
हर्षण	योग	परिघ
वणिज	करण	विष्टि
ङ--	जन्म नामाक्षर	टू-टुनटुन
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	वनचर
श्वान	योनि	मूषक
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	श्वान
14	गत/तत्कालिक वर्ष	15

जन्म - विवरण / वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
कृतिका	4	07:30:53	वृष			लग्न			वृश्चि	20:00:40	2	ज्येष्ठा
पुष्य	3	11:21:52	कर्क			सूर्य			कर्क	11:21:52	3	पुष्य
आर्द्रा	3	16:08:30	मिथु			चंद्र			सिंह	25:22:15	4	पू०फाल्गुनी
मृगशिरा	3	02:13:19	मिथु			मंगल			सिंह	29:52:32	1	उ०फाल्गुनी
मघा	2	06:00:16	सिंह			बुध	व	अ	कर्क	17:25:10	1	आश्लेषा
भरणी	1	14:38:07	मेष			गुरु			मिथु	16:43:21	4	आर्द्रा
पुष्य	1	06:12:39	कर्क		अ	शुक्र			मिथु	02:35:42	3	मृगशिरा
हस्त	3	18:05:46	कन्या			शनि	व		मीन	07:31:30	2	उ०भाद्रपद
ज्येष्ठा	4	28:49:01	वृश्चि	व		राहु			कुंभ	24:47:30	2	पू०भाद्रपद
मृगशिरा	2	28:49:01	वृष	व		केतु			सिंह	24:47:30	4	पू०फाल्गुनी
उ०भाद्रपद	3	10:24:04	मीन	व		मु		अ	कर्क	07:30:53	2	पुष्य

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:55

लग्न-चलित

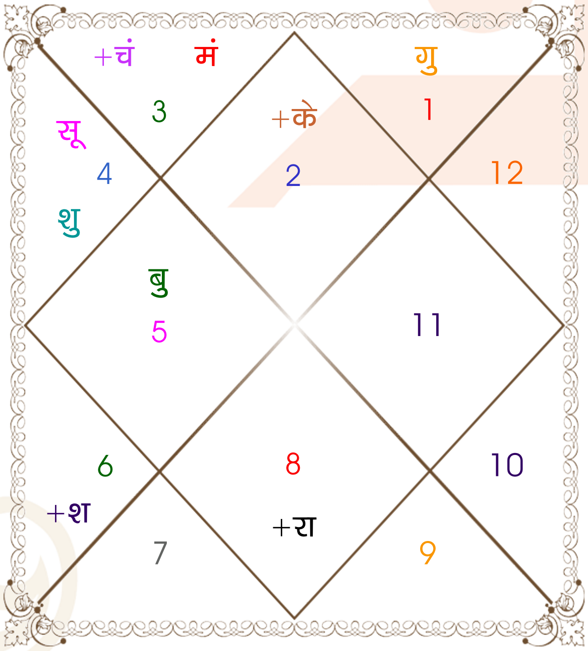

वर्ष लग्न कुंडली

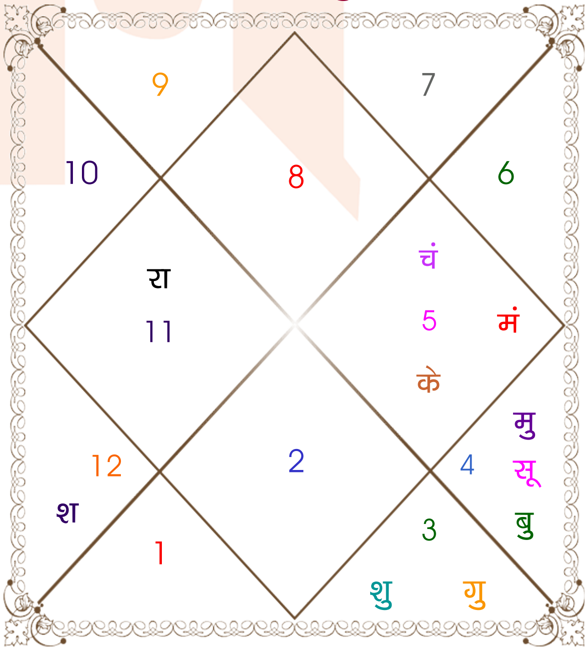

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - शुक्र - राहु	
08/08/2025 19:08	
01/01/2026 21:32	
राहु	30/08/2025 17:06
गुरु	19/09/2025 04:37
शनि	12/10/2025 07:48
बुध	02/11/2025 00:32
केतु	10/11/2025 13:04
शुक्र	04/12/2025 21:28
सूर्य	12/12/2025 04:48
चंद्र	24/12/2025 09:00
मंगल	01/01/2026 21:32

गुरु - शुक्र - गुरु	
01/01/2026 21:32	
11/05/2026 18:20	
गुरु	19/01/2026 05:06
शनि	08/02/2026 18:36
बुध	27/02/2026 04:09
केतु	06/03/2026 17:58
शुक्र	28/03/2026 09:26
सूर्य	03/04/2026 21:16
चंद्र	14/04/2026 17:00
मंगल	22/04/2026 06:49
राहु	11/05/2026 18:20

गुरु - शुक्र - शनि	
11/05/2026 18:20	
12/10/2026 23:32	
शनि	05/06/2026 04:21
बुध	27/06/2026 00:42
केतु	06/07/2026 00:36
शुक्र	31/07/2026 17:28
सूर्य	08/08/2026 10:31
चंद्र	21/08/2026 06:57
मंगल	30/08/2026 06:52
राहु	22/09/2026 10:02
गुरु	12/10/2026 23:32

गुरु - शुक्र - बुध	
12/10/2026 23:32	
27/02/2027 23:08	
बुध	01/11/2026 12:41
केतु	09/11/2026 13:51
शुक्र	02/12/2026 13:47
सूर्य	09/12/2026 11:22
चंद्र	20/12/2026 23:20
मंगल	29/12/2026 00:31
राहु	18/01/2027 17:15
गुरु	06/02/2027 02:48
शनि	27/02/2027 23:08

गुरु - शुक्र - केतु	
27/02/2027 23:08	
25/04/2027 18:44	
केतु	03/03/2027 06:41
शुक्र	12/03/2027 17:57
सूर्य	15/03/2027 14:07
चंद्र	20/03/2027 07:45
मंगल	23/03/2027 15:18
राहु	01/04/2027 03:50
गुरु	08/04/2027 17:39
शनि	17/04/2027 17:33
बुध	25/04/2027 18:44

गुरु - सूर्य - सूर्य	
25/04/2027 18:44	
10/05/2027 09:22	
सूर्य	26/04/2027 12:16
चंद्र	27/04/2027 17:29
मंगल	28/04/2027 13:56
राहु	30/04/2027 18:32
गुरु	02/05/2027 17:17
शनि	05/05/2027 00:48
बुध	07/05/2027 02:29
केतु	07/05/2027 22:56
शुक्र	10/05/2027 09:22

गुरु - सूर्य - चंद्र	
10/05/2027 09:22	
03/06/2027 17:46	
चंद्र	12/05/2027 10:04
मंगल	13/05/2027 20:10
राहु	17/05/2027 11:49
गुरु	20/05/2027 17:45
शनि	24/05/2027 14:16
बुध	28/05/2027 01:04
केतु	29/05/2027 11:09
शुक्र	02/06/2027 12:33
सूर्य	03/06/2027 17:46

गुरु - सूर्य - मंगल	
03/06/2027 17:46	
20/06/2027 18:51	
मंगल	04/06/2027 17:38
राहु	07/06/2027 07:00
गुरु	09/06/2027 13:32
शनि	12/06/2027 06:19
बुध	14/06/2027 16:16
केतु	15/06/2027 16:08
शुक्र	18/06/2027 12:19
सूर्य	19/06/2027 08:46
चंद्र	20/06/2027 18:51

गुरु - सूर्य - राहु	
20/06/2027 18:51	
03/08/2027 14:46	
राहु	27/06/2027 08:38
गुरु	03/07/2027 04:54
शनि	10/07/2027 03:27
बुध	16/07/2027 08:28
केतु	18/07/2027 21:50
शुक्र	26/07/2027 05:09
सूर्य	28/07/2027 09:45
चंद्र	01/08/2027 01:25
मंगल	03/08/2027 14:46

गुरु - सूर्य - गुरु	
03/08/2027 14:46	
11/09/2027 13:49	
गुरु	08/08/2027 19:27
शनि	14/08/2027 23:30
बुध	20/08/2027 11:57
केतु	22/08/2027 18:30
शुक्र	29/08/2027 06:20
सूर्य	31/08/2027 05:06
चंद्र	03/09/2027 11:01
मंगल	05/09/2027 17:33
राहु	11/09/2027 13:49

गुरु - सूर्य - शनि	
11/09/2027 13:49	
27/10/2027 20:10	
शनि	18/09/2027 21:37
बुध	25/09/2027 10:55
केतु	28/09/2027 03:41
शुक्र	05/10/2027 20:45
सूर्य	08/10/2027 04:16
चंद्र	12/10/2027 00:48
मंगल	14/10/2027 17:34
राहु	21/10/2027 16:07
गुरु	27/10/2027 20:10

गुरु - सूर्य - बुध	
27/10/2027 20:10	
08/12/2027 05:39	
बुध	02/11/2027 16:55
केतु	05/11/2027 02:52
शुक्र	12/11/2027 00:27
सूर्य	14/11/2027 02:07
चंद्र	17/11/2027 12:55
मंगल	19/11/2027 22:52
राहु	26/11/2027 03:53
गुरु	01/12/2027 16:21
शनि	08/12/2027 05:39

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्विते़ऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी । मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक आप अपना अधिकांश समय व्यतीत करेंगी।साथ ही आपके सभी सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपके समस्त कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे तथा लोग आपकी बुद्धि से प्रभावित रहेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों में भी इस समय आप पूर्ण रूप से प्रवृत रहेंगी तथा विधिपूर्वक इनको सम्पन्न करेंगी। इसके साथ ही देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजा तथा सेवा करेंगी। संतति पक्ष से इस समय आपको पूर्ण लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता तथा उन्नति प्राप्त करेंगे ।साथ ही इस समय पुत्र संतति की प्राप्ति की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके आय स्रोतों में वृद्धि होगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होता रहेगा फलतः आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। साथ ही आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी अतः रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी या नेता आपसे प्रसन्न रहेंगे जिससे आपको महत्वपूर्ण लाभ की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको उचित सहयोग तथा लाभ भी प्राप्त होता रहेगा एवं आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी।इसके अतिरिक्त पति, पुत्र, मित्र तथा संबधियों आदि से भी आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग मिलेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगी तथा सुख की अनुभूति करेंगी।